वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2018-19

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA | देना DENA

POWER OF

अब साथ हैं तीन, बेहतर से बेहतरीन.
AB SAATH HAIN TEEN, BEHTAR SE BEHTAREEN.

विषयसूची

Index

विषय	पृष्ठ
अध्यक्ष का संदेश	06
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य	10
निदेशकों की रिपोर्ट	18
कार्पोरेट गवर्नेन्स पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	63
कार्पोरेट गवर्नेन्स रिपोर्ट	65
एमडी व सीईओ द्वारा घोषणा	101
सचिवालय लेखापरीक्षा रिपोर्ट	102
महत्वपूर्ण वित्तीय सूचक	105
तुलन पत्र	108
लाभ व हानि खाता	109
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	120
नकदी-प्रवाह विवरण	188
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	190
अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखापरीक्षा रिपोर्ट की घोषणा	198
सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण	199
समेकित वित्तीय विवरणियां	200
अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखापरीक्षा रिपोर्ट की घोषणा - समेकित	248
सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण	249
लाभांश संवितरण नीति	250
बासेल III प्रकटीकरण	252
नोटिस	253
प्रॉक्सी फॉर्म	271
हरित पहल - शेयरधारकों से अपील	273

Contents	Page
Chairman's Statement	08
MD & CEO's Statement	14
Directors' Report	41
Auditors' Certificate on Corproate Goveranance	63
Corporate Governance Report	65
Declaration by MD & CEO	101
Secretarial Audit Report	102
Key Financial Indicators	105
Balance Sheet	108
Profit & Loss Account	109
Significant Accounting Policies	120
Cash Flow Statement	188
Auditors' Report	190
Declaration of Unmodifiifed Opinion	198
CEO / CFO Certification	199
Consolidated Financial Statement	200
Declaration of Unmodifiifed Opinion - Consolidated	248
CEO / CFO Certification	249
Dividend Distribution Policy	250
Basel III Disclosures	252
Notice	253
Proxy Form	271
Green Initiative Appeal	273

लेखा परीक्षक / AUDITORS

कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एल एल पी
सनदी लेखाकार
Kalyaniwalla & Mistry LLP.
Chartered Accountants

सिंघी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
Singhi & Co.
Chartered Accountants

जी एम कपाड़िया व कं.
सनदी लेखाकार
G M Kapadia & Co.
Chartered Accountants

एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी.
सनदी लेखाकार
S R Dinodia & Co. LLP.
Chartered Accountants

प्रधान कार्यालय

बड़ौदा भवन, अलकापुरी, वडोदरा 390 007.

बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर

सी-26, जी-ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पू.),
मुंबई 400 051.

निवेशक सेवाएं विभाग

7वां तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी-ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई 400 051.

रजिस्ट्रार एवं अन्तरण एजेंट

मेसर्स कार्वी फिनटेक प्राइवेट लि.
यूनिट - बैंक ऑफ़ बड़ौदा
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32, गचीबॉवली, फाइनांसियल
डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा, सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.

हमारे बैंक के डिबेंचर न्यासी

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू-तल,17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट,
मुंबई - 400 001

Head Office

Baroda Bhavan, Alkapuri, Vadodara 390 007.

Baroda Corporate Centre

C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai 400 051.

Investor Services Department

7th Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

Registrars & Transfer Agent

M/s. Karvy Fintech Pvt. Ltd.
Unit - Bank of Baroda
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli,
Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal,
Hyderabad - 500 032

Debenture Trustees of our Bank

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor, 17,R Kamani Marg,
Ballard Estate
Mumbai - 400 001

नोट: शेयरधारक "व्यवसाय दायित्व रिपोर्ट" तथा "बासेल-III प्रकटीकरण" को बैंक की वेबसाईट www.bankofbaroda.com पर देख सकते हैं / डाउनलोड कर सकते हैं.

Note: The Shareholders can view/download "Business Responsibility Report" and "Basel-III Disclosures" from Bank's Website www.bankofbaroda.com

निदेशक मंडल

डॉ. हसमुख अढिया
अध्यक्ष
Dr. Hasmukh Adhia
Chairman

श्री पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Shri P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Smt. Papia Sengupta
Executive Director

श्री शांति लाल जैन
कार्यपालक निदेशक
Shri Shanti Lal Jain
Executive Director

श्री विक्रमादित्य सिंह खीची
कार्यपालक निदेशक
Shri Vikramaditya Singh Khichi
Executive Director

BOARD OF DIRECTORS

श्री देबाशीष पांडा
निदेशक
Shri Debasish Panda
Director

श्री अजय कुमार
निदेशक
Shri Ajay Kumar
Director

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल
निदेशक
Shri Gopal Krishan Agarwal
Director

प्रो. बिजू वर्क्की
निदेशक
Prof. Biju Varkkey
Director

श्री भरतकुमार डी. डांगर
निदेशक
Shri Bharatkumar D. Dangar
Director

श्रीमती सौंदरा कुमार
निदेशक
Smt. Soundara Kumar
Director

श्री श्रीनिवासन श्रीधर
निदेशक
Shri Srinivasan Sridhar
Director

सीवीओ	CVO
श्री नायक नरसिम्हा के	MR. NAYAK NARSIMHA K
महाप्रबंधक	**General Managers**
श्री कक्केरा वेंकटेश्वरलू	MR. KAKKERA VENKATESWARLU
श्री अरोरा सतीश कुमार	MR. ARORA SATISH KUMAR
श्री माथुर राधाकांत	MR. MATHUR RADHAKANT
श्री गुप्ता कुल भूषण	MR. GUPTA KUL BHUSHAN
श्री कुमार बीरेंद्र	MR. KUMAR BIRENDRA
श्री कौल कृष्ण ओपिंदर	MR. KAUL KRISHEN OPINDER
श्री पंडा गोलक बिहारी	MR. PANDA GOLAK BIHARI
श्री कुमार राजेंद्र	MR. KUMAR RAJENDRA
श्री डुडेजा विनीत कुमार	MR. DUDEJA VINEET KUMAR
श्री मेहरोत्रा प्रकाश नारायण	MR. MEHROTRA PRAKASH NARAYAN
श्री शर्मा रजनीश	MR. SHARMA RAJNEESH
श्री भाटिया राकेश कुमार	MR. BHATIA RAKESH KUMAR
श्री सिंह नवतेज	MR. SINGH NAVTEJ
श्री कनोजिया कुकु राम	MR. KANOJIA KUKU RAM
श्री कुमार संजय	MR. KUMAR SANJAY
श्री मेहता जयेशकुमार वसंतराय	MR. MEHTA JAYESHKUMAR VASANTRAY
श्री नामदेव दिनेश कुमार	MR. NAMDEO DINESH KUMAR
श्री श्रीवास्तव प्रदीप	MR. SRIVASTAVA PRADEEP
श्री पंडा असीम कुमार	MR. PANDA ASHIM KUMAR
श्री सिंह किरन पाल	MR. SINGH KIRAN PAL
श्री पटेल भूपिनकुमार रतिलाल	MR. PATEL BHUPINKUMAR RATILAL
श्री देवराकोण्डा आनंद कुमार	MR. DEVARAKONDA ANANDA KUMAR
श्री गोयल कृष्ण गोपाल	MR. GOYAL KRISHAN GOPAL
श्री शर्मा मुकेश	MR. SHARMA MUKESH
श्री कुमार राजेश	MR. KUMAR RAJESH
श्री पी राजशेखरन	MR. P RAJSHEKHARAN
श्री रमेश गोपालरत्नम	MR. RAMESH GOPALARATNAM
श्री तुलसीबागवाले कोटेश्वर विश्वेश्वर	MR. TULSHIBAGWALE KOTESHWAR VISHWESHWAR
डॉ. यादव रामजस	DR. YADAV RAMJASS
श्री गुप्ता सर्वेश कुमार	MR. GUPTA SARVESH KUMAR
श्री ग्रोवर संजय कुमार	MR. GROVER SANJAY KUMAR
श्रीमती पांडे अर्चना	MRS. PANDEY ARCHANA
श्री मल्होत्रा राजेश	MR. MALHOTRA RAJESH
श्री श्रीवास्तव सुनील कुमार	MR. SRIVASTAVA SUNIL KUMAR
डॉ. कर्नावट जवाहर	DR. KARNAVAT JAWAHAR
श्री राठी प्रकाश वीर	MR. RATHI PRAKASH VIR
श्री दास तपन कुमार	MR. DAS TAPAN KUMAR
श्री राय जयदीप दत्ता	MR. ROY JOYDEEP DUTTA
श्री वेणुगोपाल एन	MR. VENUGOPAL N
उप महाप्रबंधक एवं प्रमुख	**Dy. General Mangers & Head**
श्री सेठी वीरेंद्र कुमार	MR. SETHI VIRENDRA KUMAR
श्री मेनन वेणुगोपाल	MR. MENON VENUGOPAL

बैंक ऑफ बड़ौदा में हम मानते हैं कि समामेलन हमारे हितधारकों के लिए मूल्यवर्धक है और ''पूर्णांक कुछ अंशों के योग से बड़ा होता है''

विजया बैंक और देना बैंक का समामेलन दिनांक 01 अप्रैल 2019 से बैंक ऑफ बड़ौदा में हो गया है.

यह समामेलन बैंक और उसके ग्राहकों को महत्वपूर्ण दीर्घकालिक लाभ प्रदान करेगा. बैंक ऑफ बड़ौदा की अब भारत में 9,500+ शाखाओं और 13,400+ एटीएम के संयुक्त नेटवर्क के साथ एक व्यापक भौगोलिक पहुंच बन गई है. इस समामेलन ने बैंक को देश का तीसरा सबसे बड़ा ऋणदाता बना दिया है और व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह समामेलन हमें परिचालनगत, राजस्व और लागत संबंधी सहक्रियता में सहयोग करेगा. बैंक के पास अब रू 9.15 लाख करोड़ की जमाराशियों और रू 6.51 लाख करोड़ के अग्रिमों के साथ 120+ मिलियन ग्राहकों का एक बड़ा समूह है. हमारी बाजार साझेदारी अब जमाराशियों और अग्रिमों में क्रमशः 6.32% और 6.07% हो गई है जो समामेलन पूर्व क्रमशः 4.12% और 4.06% थी.

हमारे बड़े ग्राहक आधार के लिए नकदी प्रबंधन सेवाओं, सप्लाई चेन फायनेंस, आस्ति प्रबंधन, बीमा और निवेश बैंकिंग सहित हमारी व्यापक बैंकिंग उत्पाद श्रेणियों के क्रॉस-बिक्री अवसरों में बढ़ोतरी होने से राजस्व में वृद्धि होगी. बैंक की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति हमें अपने ग्राहकों की विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं के निधियन और उनकी मल्टी-करेंसी निधियन की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करेगी.

इसके तत्काल लाभ हमें प्रशासनिक कार्यालयों को युक्तिसंगत बनाने के अलावा कॉमन ट्रेजरी परिचालन और कॉर्पोरेट बैंकिंग से प्राप्त होंगे. बीच के समय के लिए लागत सहक्रिया का प्रवाह वितरण नेटवर्क से लेकर आईटी संबंधी आधारभूत संरचना, डेटा सेंटर, डिजास्टर वसूली सेंटर तथा परिचालनों के केन्द्रीकरण के साथ भी होगा.

इसके अलावा, इस समामेलन ने बैंक के शीर्ष नेतृत्व को बहुत गंभीर और उदार बनाया है. बैंक की नई संगठनात्मक संरचना में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अलग-अलग व्यावसायिक पहलों और वर्टिकलों की कमान अनुभवी लोगों को सौंपी जाए. इन परिवर्तनों के लाभ कुछ ही समय में हमारे परिचालनों में दिखाई देंगें.

बैंक ऑफ बड़ौदा में हम मानते हैं कि समामेलन हमारे हितधारकों के लिए मूल्यवर्धक है और ''पूर्णांक कुछ अंशों के योग से बड़ा होता है''

At Bank of Baroda, we believe that the amalgamation is value accretive for our stakeholders and 'the whole is greater than the sum of its parts'.

Vijaya Bank and Dena Bank amalgamated into Bank of Baroda with effect from April 1, 2019.

The amalgamation provides significant long-term benefits to the Bank and its customers. Bank of Baroda now has a much wider geographical reach with a combined distribution network of 9,500+ branches and 13,400+ ATMs in India. It has catapulted the Bank to the position of the third largest lender in the country and will enable us to leverage operational, revenue and cost synergies from a business perspective. The Bank has now access to a larger pool of 120 million+ customers with Deposits of ₹ 9.15 lakh crore and Advances of ₹ 6.51 lakh crore. Our market share now stands at 6.32% and 6.07% in Deposits and Advances respectively, as against a market share of 4.12% and 4.06% before the amalgamation.

The revenue synergies accrue from increased cross-sell opportunities of our comprehensive suite of offerings including cash management services, supply chain financing, asset management, insurance and investment banking to our large customer base. The international presence of the Bank enables us to fund our clients' foreign exchange requirements and meet their multi-currency funding needs.

Immediate benefits accrue from common treasury operations and corporate banking and the rationalisation of administrative offices. In the medium term, cost synergies will flow in from optimisation of the distribution network, integration of IT infrastructure, data centres amd disaster recovery centres and centralisation of operations.

In addition, the amalgamation has provided depth and width to the top leadership team of the Bank. The Bank's new organisation structure ensures that different business initiatives and verticals are spearheaded by seasoned leaders. The benefits of these changes will reflect in our operations in the medium term.

At Bank of Baroda, we believe that the amalgamation is value accretive for our stakeholders and 'the whole is greater than the sum of its parts'.

अध्यक्ष का संदेश

डॉ. हसमुख अढ़िया
अध्यक्ष

प्रिय हितधारक,

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में कार्यग्रहण कर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है और आपके समक्ष अपने विचार प्रकट करते हुए बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है. पिछले 112 वर्षों से अधिक की अवधि में, जबसे बैंक ऑफ़ बड़ौदा की स्थापना हुई, यह बैंकिंग क्षेत्र में अग्रणी रहा है और इसने समाज एवं देश की सेवा करने की समृद्ध विरासत कायम की है. बैंक के अध्यक्ष के रूप में, मैं इस विरासत को पल्लवित एवं पुष्पित करने हेतु प्रतिबद्ध हूं.

बैंकिंग फलक

अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक सुदृढ़ वित्तीय क्षेत्र अनिवार्य है. हमें 8-9% की वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ना है ताकि हम चीन और अन्य विकसित अर्थव्यवस्था की बराबरी कर सकें. इसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है जो सुधारात्मक गतिशीलता को बनाए रखे और बैंकिंग क्षेत्र की समस्याओं के स्थायी समाधान को निर्धारित करने के लिए इसके क्षेत्र को व्यापक बनाए.

सरकार ने भारतीय बैंकिंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए बहुआयामी रणनीतियां अपनायी हैं. इसने अक्टूबर 2017 में रु 2.11 लाख करोड़ की पुनर्पूंजीयन योजना की घोषणा की. इस योजना के तहत, सरकार ने वित्त वर्ष 2019 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रु. 1.06 लाख करोड़ की दूसरी खेप के रूप में पुनर्पूंजीयन प्रदान किया. सरकार द्वारा पूंजीयन के फलस्वरूप भारतीय बैंकिंग व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के क्रेडिट वृद्धि में सुधार हुआ है जो गत तीन वर्षों के 10% के औसत स्तर से सुधरकर वित्त वर्ष 2019 में 13.2% हो गया.

भारतीय बैंकों ने पिछले वर्षों में गैर-निष्पादक अग्रिमों में अत्यधिक वृद्धि देखी थी. गैर-निष्पादक अग्रिमों के यथाशीघ्र समाधान को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने नया दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) लागू किया. इस व्यवस्था के तहत, अप्रैल-दिसंबर 2018 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में रु 98,493 करोड़ की उल्लेखनीय नकद वसूली हुई है जो एक प्रभावी सुधार के रूप में दिखाई देती है. आईबीसी प्रक्रिया से तीव्रतर समाधान, उच्चतर वसूली एवं ऋण-संस्कृति में सुधार जैसे संरचनात्मक बदलाव आए हैं जो आगे चलकर बैंकिंग व्यवस्था के लिए सकारात्मक कदम साबित होंगें.

गैर-निष्पादक आस्तियों की पहचान, प्रावधान, समाधान और वसूली के लिए सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अपनाई गई रणनीति ने दबावग्रस्त आस्तियों के अनुपात में गिरावट तथा नकदी वसूली में सुधार के रूप में अनुकूल परिणाम दर्शाने आरंभ कर दिए हैं. सार्वजनिक क्षेत्र के सकल एनपीए में अब गिरावट शुरू हो गई है. भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह अनुमान लगाया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए अनुपात मार्च 2018 के 11.5% के स्तर से घटकर मार्च 2019 में लगभग 10.3% होगा. स्लिपेज अनुपात मार्च 2018 के 7.6% से घटकर सितंबर 2018 में 4.1% हो गया. प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) में भी मार्च 2018 के स्तर से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.

भारतीय बैंकिंग उद्योग में समेकन

विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत के वित्तीय संस्थान वैश्विक स्तर पर व्यवसाय और आकार के मामले में काफी पीछे हैं. वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए हमें और बड़े तथा मजबूत बैंक की आवश्यकता है. बड़े वित्तीय संस्थान वित्तीय संकटों का सामना करने में सक्षम होते हैं तथा बड़े आकार के कारण वे बैंकिंग सेवाएं कम लागत पर उपलब्ध करा लेते हैं. पिछले वर्षों के दौरान, नरसिंहम समिति (1998), लीलाधर समिति (2008) तथा नायक समिति (2014) जैसी वित्तीय क्षेत्र की विभिन्न समितियों ने बैंकिंग क्षेत्र में और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समेकन और समामेलन की सिफ़ारिश की है.

वर्ष के दौरान सरकार ने इन उद्देश्यों को पूरा करने हेतु एक कदम आगे बढ़ाते हुए पहले तीन-तरफा समामेलन की घोषणा की जिसके अंतर्गत विजया बैंक और देना बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ समामेलन हुआ. व्यवसायिक दृष्टि से संयुक्त बैंक, जो 01 अप्रैल 2019 से परिचालन में आया, अब भारत का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन चुका है. समेकित बैंक के पास 9500+ शाखाओं, 13,400+ एटीएम के नेटवर्क तथा 84,000+ कर्मचारियों के माध्यम से 120 मिलियन+ ग्राहक आधार है. हमारा समेकित व्यवसाय 6.4% के मार्केट शेयर के साथ रु. 15+ लाख करोड़ हो चुका है. समामेलन ने हमें अपने हितधारकों के लिए विश्व स्तरीय बैंकिंग संस्थान विकसित करने हेतु अवसर प्रदान किया है और हम इसका पूरा लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा - रूपांतरण यात्रा जारी है

बैंक ने एक व्यापक रूपांतरण प्रक्रिया अपनायी है जो प्रक्रिया, उत्पाद, प्लेटाफार्म,

कर्मचारी क्षमता के विकास और बेहतर अनुपालन पर केन्द्रित है. इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी पिछले वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है. यह मानते हुए कि तकनीक का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है, रूपांतरण को भी एक सतत यात्रा के रूप में जारी रखना होगा ताकि बैंक बाजार में प्रतिस्पर्धी बना रहे.

बैंक ने अपने आईटी क्षेत्र को और सुदृढ़ बनाने के लिए उल्लेखनीय निवेश जारी रखा है ताकि अपनी आईटी सुविधाओं को मजबूत बना सके तथा प्रतिस्पर्धी डिजिटल प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ा सके. बैंक ने -दो- अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स फॉर आईटी एवं एनेलिटिक्स तथा आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस स्थापित की है. भविष्य की बैंकिंग एनेलिटिक्स की शक्ति, डिजिटाइजेशन और तकनीक का लाभ उठाने पर निर्भर होगी ताकि ग्राहकों को विश्व स्तरीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा सके. जहां हम ग्राहकों के लिए एक सर्वाधिक पसंदीदा बैंक का निर्माण कर रहे हैं, वहीं हम एक ज्ञानार्जन संस्थान का भी निर्माण कर रहे हैं तथा अपने कर्मचारियों के कौशल विकास पर हमारा निवेश जारी है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए ईज ऑफ एक्सेस एण्ड सर्विस एक्सिलेंस (ईज) की सरकार की सुधारवादी नीति भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है. मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बैंक को सरकार की ईज (EASE) योजना के क्रियान्वयन हेतु द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है.

उपरोक्त रणनीतियों के परिणाम बैंक के परिचालनगत कार्यनिष्पादन में परिलक्षित हो रहे हैं. घरेलू क्रेडिट में हमारी वृद्धि दर 14.2 % है जो बैंकिंग उद्योग की औसत दर से उच्चतर है. यह उपलब्धि, परिचालनगत दक्षता और मार्जिन में सुधार को सुनिश्चित करते हुए हासिल की गयी है. तकनीकी रूप से बट्टे कृत (टीडब्ल्यूओ) खातो के साथ और उसके बिना प्रावधान कवरेज अनुपात क्रमशः 78.68% तथा 67.64% रहा जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वाधिक है. पूंजी पर्याप्तता अनुपात 13.42% है जो नियामक आवश्यकताओं से काफी ऊपर है.

भविष्य की संभावनाएं

भविष्य के लिए एक सुदृढ़ बैंक बनाने की दिशा में वर्षों से बैंक द्वारा आरंभ की गई रूपान्तरण प्रक्रिया की स्थिति में, यह समामेलन यह सुनिश्चित करेगा कि इसके व्यवसाय और आकार का लाभ सभी प्रकार के ग्राहकों एवं हितधारकों को प्राप्त हो सके. समामलेन के प्रभावी होने के साथ ही एकीकरण की प्रक्रिया आरंभ हो गई है जिसके तहत ग्राहक, कर्मचारी, आईटी और प्रक्रिया एकीकरण पर विस्तृत योजना तैयार की गई है. हम इस प्रक्रिया को अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए एक विश्व स्तरीय संस्थान के निर्माण करने हेतु एक अवसर के रूप में देख रहे हैं. बैंक के अध्यक्ष के रूप में, मैं इन प्रयासों को आगे बढ़ाने में अपनी भागीदारी के प्रति बेहद खुश हूँ.

जय हिंद

हसमुख अढ़िया
अध्यक्ष

CHAIRMAN'S STATEMENT

Dr. Hasmukh Adhia
Chairman

Dear Stakeholder,

I am delighted to join Bank of Baroda as Chairman of the Board of Directors and it gives me pleasure to put my thoughts before you. In the last 112 years, from the time the Bank of Baroda was set up, it has been pioneer in the banking field and has a rich legacy of serving the society and the nation. As Chairman of the Bank, I remain committed to nurturing and furthering this legacy.

The Banking Landscape

A robust financial sector is essential for the growth of economy. We need to grow at 8-9% consistently over years to catch up with China and other developed economies. Achieving this requires a concerted effort that maintains the reform momentum and widens its scope for arriving at a durable solution to banking sector issues.

The Government has adopted a multi-pronged strategy to improve the health of the Indian banking system. It announced a recapitalization plan of ₹ 2.11 lakh crore in October 2017. As part of the above program, the government infused the second tranche of ₹ 1.06 lakh crore in Public Sector Banks (PSBs) in FY 2019. Capital infusion by the government has helped in improving the health of the Indian banking system and has led to an improvement in credit growth of SCBs to 13.2% in FY 2019 from an average of 10% over the three previous years.

Indian banks had seen a large increase in non-performing loans over the years. In order to ensure a faster resolution of non-performing loans, the government implemented a new Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). Under this mechanism, there have been a marked improvement in cash recoveries of the banking system at ₹ 98,493 crore in the period April to December 2018. The IBC process has resulted in structural changes such as faster resolutions; higher recoveries and improving credit culture which is positive for the banking system in the long-run.

The strategy adopted by the Government, RBI and PSBs for recognition, provisioning, resolution and recovery of non-performing assets has commenced to yield results in the form of declining stressed asset ratios and improvement in cash recovery. The gross NPAs for PSBs are now beginning to see a decline. RBI has projected that the gross NPA ratio for the SCBs would fall to around 10.3% in March 2019 from 11.5% in March 2018. The slippage ratio has declined from 7.6% in March 2018 to 4.1% in September 2018. The Provision Coverage Ratio (PCR) has also increased significantly from the levels in March 2018.

Consolidation in Indian Banking Industry

Despite being the sixth largest economy in the world, India's financial institutions lack scale and size on global scale. To be globally competitive, we need banks that are bigger and stronger. Large financial institutions have the ability to weather economic shocks and benefits of scale help them to provide banking services at a relatively lower cost. Over the years, various committees on the financial sector such as the Narasimham Committee (1998), the Leeladhar Committee (2008) and the Nayak Committee (2014) have recommended consolidation among banking sector and that of PSBs.

During the year, the government announced first three-way amalgamation of Vijaya Bank and Dena Bank with Bank of Baroda as a step towards achieving the above objectives. In terms of scale, the combined bank which came into operations from April 1, 2019, is now the second largest PSB in India. The consolidated bank has over 120 million+ customers across the globe through its network of 9,500+ branches and 13,400+ ATMs and 84,000+ employees. Our combined business mix now stands at ₹ 15+ lakh crore with market share of 6.4%. The amalgamation has provided an opportunity to build a world class banking institution for our stakeholders and we are determined to seize it.

Bank of Baroda – The Continuing Transformation

The Bank has undertaken a comprehensive transformation journey centered around processes, products, platforms, building people capabilities and improving compliance. The details of the actions taken have been detailed out in last years' annual report. Given that the technology evolution is an ongoing process, the transformation has to be a continuing journey to ensure that the Bank remains competitive in the market place.